एक नजर में

बड़नगर में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर प्रभात फेरी संगम का विराट आयोजन

बड़नगर। श्रीराम मंदिर अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के पावन अवसर पर नगर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्वितीय संगम देखने को मिलेगा। प्रभात फेरी भक्त मंडल द्वारा 31 दिसंबर बुधवार, पौष शुक्ल द्वादशी को स्थानीय द्वारिकाधीश मंदिर, शिवाजी रोड पर सामूहिक प्रभात फेरी संगम समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर भावसार समाज धर्मशाला में विशेष बैठक आयोजित हुई। जिसमें आयोजन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। आयोजन समिति के सदस्य सांवरिया शर्मा ने बताया कि अंचलों से लगभग 150 से अधिक प्रभात फेरियां नगर में पधारेंगी। इस अवसर पर एक विशाल प्रभात फेरी प्रात: 6.30 बजे द्वारिकाधीश मंदिर से प्रारंभ होकर गांधी चौक, आजाद चौक, गेंदाबावड़ी, शांति निकेतन चौराहा, जूना शहर, जय स्तंभ चौक होते हुए डाबरी मार्ग से पुन: शिवाजी रोड पर संपन्न होगी। इस विराट आयोजन में नगर व अंचल के भक्तों के साथ-साथ साधु-संतों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

भागवत कथा में मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

घट्टिया। भगवान कृष्ण का व्यक्तित्व व जीवन दर्शन बहुआयामी है। जिसमें संगीत, नृत्य, युद्ध कौशल, कूटनीति, विद्वता, ज्ञान, सौंदर्य, चंचलता, प्रकृति से प्रेम का समावेश है। उनके जीवन का हर एक आयाम हमें सही ढंग से जीवन जीने की और अग्रसर करता है। उक्त उद्गार जगोटी से छ: किमी पश्चिम में स्थित प्राचीन श्री बिल्वकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित भागवत कथा में कृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग पर साध्वी सुगणा बाई ने उपस्थित श्रद्धालुओं के समक्ष व्यक्त किए। कथा स्थल पर पहुंचे पूर्व विधायक बहादुर सिंह चौहान, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष किशोर शर्मा, पदमसिंह पटेल, भगवतीप्रसाद जोशी, कैलाश काका गट्टानी, पूर्व मंडी डायरेक्टर रणछोड़ त्रिवेदी का सम्मान श्री बिल्वकेश्वर महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा किया गया। साध्वी सुगणा बाई सा का शाल, श्रीफल से सम्मान जिला पंचायत सदस्य प्रताप सिंह गुर ने करते हुए कहा कि संतों का सानिध्य व कथा का श्रवण सौभाग्य से मिलता है। जो जीवन की दशा और दिशा बदल सकता है। संचालन विजय सिंह मीण व आभार सेवा समिति अध्यक्ष भेरूसिंह आंजना ने व्यक्त किया।

बच्चों को स्वेटर का वितरण किया गया

माकड़ौन। ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए बच्चों की सेहत और शिक्षा के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए शासकीय प्राथमिक विद्यालय नयापुरा, माकड़ोन में नि:शुल्क स्वेटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में अध्ययनरत सभी बच्चों को ठंड से बचाव हेतु स्वेटर वितरित किए गए। जिससे वे स्वस्थ रहकर अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकें। यह सराहनीय पहल विद्यालय के शिक्षक महेंद्र शर्मा द्वारा की गई। कार्यक्रम में गोकुल प्रसाद मालवीय, राजेश्वर गामी उपस्थित रहे। जानकारी जितेंद्र मंगरोलिया ने दी।

एनसीसी कैडेट्स ने जाना जल जीवन मिशन का महत्व

महिदपुर। शासकीय महाविद्यालय महिदपुर में प्राचार्य डॉ. आशा सक्सेना के निर्देशन और एनसीसी अधिकारी मेजर प्रभाकर मिश्र के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में जल जीवन मिशन की महत्ता को डॉ. अनिल पड़ियार ने एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए बताया गया। आपने पूरी पृथ्वी पर उपलब्ध पेयजल और उसके संरक्षण की बात करते हुए उसके महत्व को इस बात के लिए भी रेखांकित किया के दुनिया की दो तिहाई जनसंख्या को आज भी स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं है। प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य है कि वह बहते हुए स्रोतों को गंदा ना करें और उपलब्ध जल स्रोतों को स्वच्छ रखें और समय-समय पर उन स्रोतों का संरक्षण आवश्यक करते रहें। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टाफ के साथ-साथ एनसीसी कैडेट्स के अलावा महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थीयों ने भी उपस्थित होकर जल संरक्षण के लिए पर्यावरण संरक्षण की उपयोगिता को ध्यान में रखकर महाविद्यालय परिसर में स्थित पौधों को पानी देकर उनका संरक्षण करने का संकल्प लिया। यह जानकारी महाविद्यालय के डॉ. जेड.यू. अहिंगर द्वारा प्रदान की गई।

मोहम्मद रफ़ी के जन्मदिन पर संगीत संध्या 24 को

उज्जैन। ऑनेस्टी म्यूज़िकल एकेडमी द्वारा मोहम्मद रफ़ी के जन्मदिन के अवसर पर 24 दिसंबर को कालिदास अकादमी में संगीत संध्या का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विशेष रूप से दिवंगत फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र को मोहम्मद रफ़ी के द्वारा गाए हुए उनके गीतों द्वारा श्रद्धांजलि दी जावेगी। संस्था प्रमुख हरपाल सिंह चावला ने बताया कि कार्यक्रम में अतिथि स्वरूप कलावती यादव निगम सभापति, डॉ. सतविंदर कौर सलूजा वरिष्ठ स्त्री रोग चिकित्सक, यू.एस. छाबड़ा अध्यक्ष उज्जैन सिटी ट्रेड कौंसिल एवं डायरेक्टर अध्यक्ष उज्जैन बैंक कर्मचारी क्रेडिट सोसाइटी, शैलेन्द्र चित्तौड़ा ब्रांच मैनेजर जना स्मॉल फाइनेंस बैंक, चरणजीत सिंह कालरा गुरुद्वारा सुखसागर फ्रीगंज, विशाल खटीक जिला अध्यक्ष क्षत्रिय मालवा खटीक सेना आदि उपस्थित रहेंगे। ऑनेस्टी म्यूज़िकल एकेडमी के सिंगर राजेश पलोड़, डॉ. पिंकेश डफरिया, ललित भावसार, प्रकाश वर्मा, अरुण पाटीदार, तुषार वर्मा, पार्थ दुबे, अरशद मीर, अंशिता कानूनगो, करुणा भावसार, पूनम नामदेव, प्रियंका दुबे (देवास), चित्रा परिहार, तेजस्वी महाजन आदि अपनी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। एंकरिंग हिमालय निगम द्वारा की जाएगी।

उत्कृष्ट विद्यालय माधवनगर की टीम रही अस्मिता-महिला बॉस्केटबॉल सिटी लीग में विजेता

उज्जैन। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया, भारत सरकार की खेलों की महत्वपूर्ण योजना, मध्य प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में उज्जैन कॉरपोरेशन एरिया बास्केटबॉल एसोसिएशन द्वारा अस्मिता-महिला बॉस्केटबॉल सिटी लीग 2025-26 के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि शैलेन्द्र व्यास, ने व्यक्त करते हुए कहा कि उज्जैन शहर में बास्केट बॉल खेल का जो माहौल देखने को मिल रहा है। वह अत्यंत ही गौरव करने वाला है। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में आरएल वर्मा, डॉ. आशीष मेहता, राजेश शर्मा, भारती शर्मा, सुनीता यादव, ममता गौड़, जावेद अख्तर हुसैन ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। आयोजन समिति की अध्यक्ष ज्योति शर्मा और सचिव ऋतु शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता टीम उत्कृष्ट विद्यालय माधवनगर की रही तथा उप विजेता सेंट मेरीज कॉन्वेंट स्कूल की रहीं।

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर का समापन

उज्जैन. ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने इस साल के संस्करण का समापन एक ऐसी नई और क्रांतिकारी फैशन कहानी के साथ किया, जिसने पारंपरिक फैशन शिल्प की सीमाओं को तोड़ दिया. प्रतिष्ठित हावड़ा ब्रिज की भव्य पृष्ठभूमि में, और हुगली नदी को एक शानदार रनवे में बदलते हुए, फिनाले एडिशन में डिज़ाइनर अनामिका खन्ना (एके 7 ओके) का प्रयोगधर्मी कलेक्शन प्रस्तुत किया गया. शोस्टॉपर के रूप में करिश्माई ईशान खट्टर की मौजूदगी ने इस प्रस्तुति को और खास बना दिया. यह शो हुगली नदी के बीच लंगर डाले एक बार्ज पर प्रस्तुत किया गया, जिसने पूरे माहौल को फैशन के एक तैरते हुए थिएटर में बदल दिया. पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ देबस्री दासगुप्ता ने कहा ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर हमेशा से फैशन और सांस्कृतिक संवाद को नई दिशा देने में अग्रणी रहा है. इस संस्करण के अंतिम अध्याय के रूप में कोलकाता ने वही सार पेश किया, जो फैशन को सचमुच परिवर्तनकारी बनाता है. फ्यूचर इज क्राफ्टेड सिर्फ एक शोकेस नहीं था, बल्कि यह इस बात का सशक्त बयान था कि विरासत और नवाचार कैसे मिलकर कुछ असाधारण रचते हैं.

वर्ष का सबसे छोटा दिन और सबसे बड़ी रात

▸ **जंतर-मंतर पर खगोलीय महत्व समझने जुटे स्थानीय और पर्यटक**

नवभारत न्यूज़

उज्जैन. 22 दिसंबर को सूर्य के दक्षिणायन से उत्तर की ओर गति प्रारंभ होने के खगोलीय क्षण को उज्जैन के जीवाजी वेधशाला (जंतर-मंतर) में विशेष रूप से देखा-समझा गया.

इस दिन पृथ्वी की धुरी झुकाव के कारण वर्ष का सबसे छोटा दिन और सबसे लंबी रात होती है. उज्जैन में सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच दिन लगभग 10 घंटे 41 मिनट रहा, वहीं रात करीब 13 घंटे 19 मिनट तक रही. इस वैज्ञानिक घटना को समझने के लिए वेधशाला में सैकड़ों पर्यटक, शोधार्थी और स्थानीय नागरिक पहुंचे और विशेषज्ञों से विस्तारपूर्वक जानकारी ली.

प्राचीन वेधशाला के यंत्रों से किया गया अवलोकन- नवभारत से चर्चा में वेधशाला के अधीक्षक आरपी गुप्त ने बताया कि सूर्य का मकर रेखा के करीब पहुंचना और पृथ्वी का झुकाव वर्ष के इस दिन को विशिष्ट बनाता है. शंकु-यंत्र और अन्य प्राचीन मापक उपकरणों के सहारे सूर्य की स्थिति,

किरणों के कोण और छाया की लंबाई का प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया. इस दिन छाया सबसे लम्बी दिखाई देती है, जो मकर रेखा पर सूर्य के लम्बवत पहुंचने का संकेत देती है.

राजा जयसिंह के काल से उज्जैन में हो रहा अध्ययन- खगोलशास्त्रियों ने बताया कि उज्जैन प्राचीन काल से समय-निर्धारण और खगोलीय गणनाओं का केंद्र रहा है. राजा जयसिंह द्वितीय के शासनकाल में बनाए गए जंतर-मंतर के उपकरण आज भी सूर्य की स्थिति, क्रांति, विषुव तथा अयनांत जैसे खगोलीय परिवर्तनों को समझने में उपयोगी हैं. उज्जैन की भौगोलिक स्थिति—0 देशांतर के संदर्भ में भारतीय समय गणना के लिए महत्व रखती है- जिसके कारण यहां सदियों से खगोलीय अध्ययनों की परंपरा कायम है.

पर्यटकों और आगंतुकों ने प्रत्यक्ष देखा खगोलीय तथ्य- दिनभर वेधशाला में आगंतुकों का तांता लगा रहा. कई पर्यटक इस दुर्लभ क्षण को प्रत्यक्ष देखने के लिए विशेष रूप से उज्जैन पहुंचे. स्थानीय विद्यार्थियों ने सूर्य की किरणें कैसे बदलती हैं, दिन-रात की अवधि कैसे घट-बढ़ होती है, इसका वैज्ञानिक कारण समझा. खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों ने विशेषज्ञों से बातचीत कर ज्ञानवर्धन किया.

> **अब दिन बढ़ने और रात घटने का सिलसिला शुरू**
> विशेषज्ञों के अनुसार 22 दिसंबर के बाद सूर्य उत्तर की ओर गति करता है, जिसे उत्तरायण की शुरुआत माना जाता है. आने-वाले दिनों में दिन की अवधि बढ़ने और रात कम होने का क्रम जारी रहेगा, जो मार्च में विषुव के समय दिन-रात समानता पर जाकर स्थिर होगा.

उज्जैन में सजेगा युवा वैश्विक मित्रता का मंच

उज्जैन। अक्षत इंटरनेशनल स्कूल में 30 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय युवा छात्र विनिमय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जो सांस्कृतिक संवाद, वैश्विक समझ और शैक्षिक सहयोग को नई दिशा देगा। इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में इटली, ब्राज़ील और लिथुआनिया से विद्यार्थी भाग लेंगे, वहीं राष्ट्रीय स्तर पर सिक्किम, वाराणसी, प्रयागराज, राजस्थान सहित विभिन्न क्षेत्रों से छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। राहुल पंडया ने बताया कि उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न देशों और राज्यों की संस्कृति, भाषा, परंपराएं और जीवन शैली से परिचित कराना है,। संयुक्त गतिविधियां, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे, जो विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाएंगे। लायंस इंटरनेशनल क्लब की डिस्ट्रिक्ट यूथ कोऑर्डिनेटर शालिनी भार्गव के यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत आयोजित किया जाएगा।

ज्योतिषाचार्य बगलामुखी साधिका अर्चना सरमंडल वराह मिहिर सम्मान से सम्मानित

उज्जैन। आचार्य वराहमिहिर न्यास डोंगला प्रकल्प, पूर्णश्री फाउण्डेशन, उज्जैन सम्राट् विक्रमादित्य विद्वत् परिषद, उज्जैन एवं साउथ एशियन एस्ट्रो फेडरेशन, नेपाल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय ज्योतिष-तंत्र एवं वास्तु महाधिवेशन में बगलामुखी साधिका ज्योतिषाचार्य अर्चना सरमण्डल को वराहमिहिर सम्मान-2025 से सम्मानित किया गया।

अर्चना सरमंडल को यह सम्मान उनके भारतीय ज्ञान परम्परा, प्राच्यविद्या एवं ज्योतिष के प्रति समर्पण के साथ ही ज्योतिष-तंत्र-वास्तु जैसी विद्याओं के माध्यम से मानव कल्याण के साथ समाज का मार्गदर्शन करते हुए किये गये उत्कृष्ट कार्य के लिये प्रदान किया। 21 एवं 22 दिसंबर को उज्जैन में आयोजित षष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय तन्त्र एवं ज्योतिष महाधिवेशन में ज्योतिष और तंत्र की विविध विधाओं और साधना विधियों, जन्म कुंडली, हस्तरेखा, रेकी, टेरो, रमल जैसे विभिन्न विषयों पर केंद्रित विचार प्रस्तुत किये गये। अध्यक्षता राजेश सिंह कुशवाह ने की।

दमदमा के दुर्गा माता मंदिर में श्रीराम कथा 28 दिसंबर से

उज्जैन। भागवत सत्संग समिति, दमदमा द्वारा 28 दिसंबर से 8 दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा का आयोजन दुर्गा माता मंदिर, कम्युनिटी हॉल, दमदमा में किया जा रहा है। श्रीराम कथा हेतु कथा स्थल का भूमिपूजन किया गया।

संरक्षक वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेन्द्र वशिष्ठ, दुर्गा माता मंदिर समिति अध्यक्ष कैलाश मालवीय, उपाध्यक्ष सुरेश रायकवार ने बताया कि कथा व्यास पं. दर्पण गोपाल कृष्ण शर्मा द्वारा 8 दिनों तक भक्तों को कथा का रसपान कराया जाएगा। 28 दिसम्बर रविवार सुबह 10 बजे कलश शोभा यात्रा से कथा प्रारंभ होगी। केदारेश्वर मंदिर से प्रारंभ होकर कलश यात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई कथा स्थल पहुंचेगी। कथा में 28 दिसंबर को कथा के प्रथम दिवस कथा महात्मय, 29 दिसंबर सोमवार को शिव पार्वती विवाह, 30 दिसंबर को श्री राम जन्मोत्सव, 31 दिसंबर बुधवार को धनुष यज्ञ श्री राम विवाह, 1 जनवरी गुरुवार को वनगमन (वनवास), 2 जनवरी शुक्रवार को भरत मिलाप, 3 जनवरी शनिवार को माँ सीता हरण एवं हनुमान जी की भेंट, 4 जनवरी को रविवार रावण वध श्रीराम राज्य स्थापना की कथा सुनाएंगे। 4 जनवरी रविवार को पूर्णाहुति के पश्चात महाप्रसादी भण्डारा का आयोजन होगा। कथा में प्रमुख यजमान पं. सत्यनारायण शर्मा, श्यामा शर्मा (महाकाल वाणिज्य), कमल विश्वकर्मा, भगवती विश्वकर्मा रहेंगे। कथा स्थल भूमिपूजन अवसर पर जियालाल मौर्य, कमल विश्वकर्मा, कलावती जादौन, प्रदीपक जादौन, जितेंद्र जायसवाल, मोहन गौड़ आदि उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश नागर ब्राह्मण महिला परिषद का प्रांतीय अधिवेशन संपन्न

उज्जैन. नागर ब्राह्मण महिला परिषद का प्रांतीय अधिवेशन 21दिसंबर को निगम सभापति कलावती यादव एवं मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिसमें मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों से लगभग 500 महिलाओं ने भाग लिया।

नागर ब्राह्मण महिला परिषद अध्यक्ष केदार रावल, महिला मंडल की प्रदेशाध्यक्ष सोनिया मंडलोई, कार्यक्रम संयोजक आभा मेहता, उज्जैन महिला मंडल की अध्यक्ष नेहा प्रतिमा लव मेहता, प्रदेश महासचिव पं. हेमंत व्यास, उज्जैन परिषद अध्यक्ष विजय शर्मा, युवा प्रदेशाध्यक्ष के.के.व्यास, विशाल नागर, नितीन नागर, अमित नागर, प्रदेश महिला महासचिव अर्चना व्यास एवं प्रतिभा मेहता आदि मंचासीन थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा इश्टदेव भगवान हाटकेश्वर, संत नरसी मेहता पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित किया गया।

स्वागत भाषण प्रदेशाध्यक्ष सोनिया मंडलोई, स्वागतगित उज्जैन शाखा की सर्वनेहा प्रतिमा मेहता, श्वता रावल, ममता नागर, वंदना मेहता, वंदना जोशी, किरण मेहता, सीमा प्रमोद नागर, सीमा महेश नागर, अनीता नागर, रेणु नागर, आशा नागर, मीना नागर अनुराधा नागर ने प्रस्तुत किया। गणेश वंदना नृत्य के साथ सुआस्था पुराणिक ने प्रस्तुत की।

मनमोहक आकर्षक घुमर नृत्य की शानदार प्रस्तुति उज्जैन शाखा की प्रीति शर्मा, सीमा आलोक नागर, राधा नागर, राधिका त्रिवेदी, प्रज्ञा मेहता ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय आराधना का सामूहिक गान इंदौर महिला शाखा की सदस्यों व्दारा। परिषद की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुशीलाबेन व्यास, वत्सला बेन नागर, डॉ. निरूपमा नागर, आभा मेहता, शारदा मंडलोई का उनके सामाजिक योगदान पर अभिनंदन किया गया। महिला विरांगना सम्मान से राजकुमारी मेहता, किरण मेहता, सुषमा मंडलोई को सम्मानित किया गया।

प्रतिभाशाली अतिविशिष्ट युवती सम्मान हाल ही में डिप्टी कलेक्टर बनी हर्षिता डॉ. विकास दवे, अधिवक्ता दृष्टि केदार रावल, गोरांगी मेहता को एवं सुप्रसिद्ध वेबसिरिज कोटा फेक्ट्री सिजन तीन के युवा निर्देशक प्रतिश मेहता की अनुपस्थिति में उनके माता-पिता लव मेहता, नेहा प्रतिमा मेहता को सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथि डॉ. विकास दवे एवं कलावती यादव ने महिला स्वालंबन, सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक समानता पर सारगर्भित उद्बोधन देते हुए सफलतम आयोजन हेतु बधाई प्रेषित की। अतिथि महानुभावों के कर कमलों से हाटकेश्वर समाचार पत्रिका के अंक का विमोचन करवा कर संपादक लव मेहता ने जानकारी प्रदान की। महिलाओं व्दारा लगाई गई विभिन्न सामग्रीयों के स्टाल का उद्घाटन फीता खोलकर निगम सभापति कलावती यादव ने किया। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ.श्वेता नागर, डॉ. जगदीश जोशी, ऋतुजा पहाड़े ने वक्तव्य दिये।

18 जनवरी को तिरुपति बस्ती में होगा हिंदू सम्मेलन

उज्जैन। उज्जैन तिरुपति बस्ती में 18 जनवरी को हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन हेतु कार्यालय का उद्घाटन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राकेश खांडेगर, दिवाकर पटेल, योगेश घनघोरिया, दिलीप उपाध्याय, भूपेंद्र सिंह चौहान, बालमुकुंद बैरागी, नवीन जैन, पवन जाट, महिपाल सिंह, रंगलाल, रामकृष्ण, राहुल गुप्ता, अमित मालवीय, रामस्वरूप प्रजापति, रमेश चंद्र खत्री, जगदीश केलवा तथा बस्ती के प्रबुद्ध नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर राकेश खांडेगर ने उपस्थित बस्तीवासियों को हिंदू सम्मेलन के राष्ट्र प्रथम की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, सम्पूर्ण हिंदू समाज को एक मंच पर लाने का आव्हान किया। दिलीप उपाध्याय ने बताया कि कार्यक्रम में तिरुपति बस्ती के सभी स्वयंसेवक एवं समाजजन उत्साह एवं अनुशासन के साथ उपस्थित रहे। समारोह का समापन राष्ट्रभक्ति के उद्घोषों के साथ हुआ।

मप्र कुश्ती महासंघ ने किया उज्जैन जिला कुश्ती संघ का गठन

उज्जैन। उज्जैन जिला कुश्ती संघ द्वारा अध्यक्ष उमेश सिंह ठाकुर के नेतृत्व में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नारायण यादव एवं कार्यकारिणी का भव्य स्वागत सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां मध्य प्रदेश कुश्ती संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष नारायण यादव का मालवा की परंपरा अनुसार साफा बांधकर एवं 101 किलो वजनी पुष्प माला से भव्य स्वागत किया गया। साथ ही प्रदेश की नव नियुक्त कार्यकारिणी का भी साफा एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।

मध्य प्रदेश कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष नारायण यादव ने उज्जैन जिला कुश्ती संघ का गठन किया। साथ ही राष्ट्रीय कुश्ती में ब्रांस मेडल जीत चुके रोहित प्रजापत और यशस्वी भाटी का पुष्पमाला पहनाकर एवं प्रोत्साहन राशि देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मथुरालाल यादव, वरिष्ठ समाज सेवक जमुना भैया यादव, शेखर यादव, ओम भैया यादव, राजाराम यादव सहित कई समाज सेवक शामिल हुए। राजा राम रिसोर्ट में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकारीणी का गठन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने महासंघ के अध्यक्ष नारायण यादव और वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश शर्मा को बधाई दी और कहा कि वह उज्जैन जिला कुश्ती संघ को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

एक नजर ▸ **आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना ने छात्राओं को विशेष रूप से प्रभावित किया**

सीखने का उत्कृष्ट माध्यम है शैक्षणिक भ्रमण : डॉ. वंदना

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन के कला संकाय की छात्राओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता के कुशल निर्देशन में इंदौर स्थित कस्तूरबा ग्राम का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, महात्मा गांधी के विचारों तथा स्वदेशी आंदोलन की भावना से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था।

भ्रमण के दौरान छात्राओं ने कस्तूरबा ग्राम में स्थापित चित्र प्रदर्शनी एवं ऐतिहासिक दस्तावेजों के माध्यम से महात्मा गांधी के जीवन, स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े महत्वपूर्ण घटनाक्रमों एवं उनके विचारों को गहराई से जाना। छात्राओं ने यह समझा कि किस प्रकार महात्मा गांधी ने चरखे को आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और जनजागरण का सशक्त माध्यम बनाकर देशवासियों को स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ा। गांधीजी के स्वदेशी वस्त्र, सादा जीवन-उच्च विचार और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना ने छात्राओं को विशेष रूप से प्रभावित किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण पुस्तकीय ज्ञान को व्यवहारिक अनुभव से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। ऐसे भ्रमण छात्राओं में ऐतिहासिक चेतना, राष्ट्रप्रेम तथा सामाजिक मूल्यों का विकास करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से छात्राओं में आत्मविश्वास, जिज्ञासा और सीखने की रुचि बढ़ती है। भ्रमण के दौरान छात्राओं को स्वदेशी वस्त्रों के महत्व, ग्रामीण विकास, जैविक जीवनशैली तथा आत्मनिर्भरता की अवधारणाओं की जानकारी भी दी गई। यह भ्रमण न केवल शैक्षणिक दृष्टि से उपयोगी रहा, बल्कि छात्राओं के लिए प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक अनुभव भी सिद्ध हुआ।

इस शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. कविता जैन, डॉ.मीना मोघे, डॉ. मनीष परमार, डॉ. आनंद सिंदल, डॉ. अंजना बुन्देला एवं डॉ. पीयूष पाण्डेय की सक्रिय सहभागिता रही। सभी प्राध्यापकों ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए भ्रमण को सफल बनाया।